SANT NANDLAL SMRITI VIDYA MANDIR, GHATSILA

SESSION- 2026-2027

CLASS – II

HINDI RHYMES

1. प्रार्थना

विनती करते हैं भगवन,
हम सब बालक हैं अनजान |
तुमने सूरज - चाँद बनाया,
तुमने तारों को चमकाया,
तुमने फूलों को महकाया,
तुम जग के पालक भगवान |
हम सब बालक हैं अनजान,
हम पर दया करो भगवान,
विनती करते हैं भगवान |

2. एक - एक

एक - एक यदि पेड़ लगाओ,
तो तुम बाग़ लगा दोगे |
एक - एक यदि ईंट लगाओ,
तो तुम महल बना दोगे |
एक - एक यदि पैसा जोड़ो,
तो बन जाओगे धनवान |
एक - एक यदि अक्षर पढ़ लो,
तो बन जाओगे विद्वान |

3. माँ

माँ तू कितनी अच्छी है,
मेरा हर काम तू करती है |
भूख मुझे जब लगती है,
तू खाना मुझे खिलाती है |
जब मैं गंदा हो जाता हूँ,
झटपट मुझे नहलाती है |
जब मैं रोने लगता हूँ,
चुप तू मुझे कराती है |
माँ मेरे अपनों में सबसे,
पहले तू ही आती है |

4. सूरज दादा

सूरज निकला फूल खिले,
पत्तों के संग गले मिले |
खिलखिल हँसते, मिलमिल हँसते;
हँसते - हँसते पूछा करते,
पिली - पिली धूप उड़ाते,
सूरज दादा कहाँ चले ?

5. गुब्बारे

रंग - बिरंगे गुब्बारे,
लगते कितने प्यारे - प्यारे |
कोई लंबा, कोई गोल,
कोई मोटा जैसे ढोल |
गैस भरे उड़ जाता जो,
वापस कभी न आटा वो |
मम्मी पूरे घर में सजा दो,
ढेर गुब्बारे मुझे दिला दो |

6. चल मेरी नैया

कागज़ की ली नाव बना|
और पानी में दी बहा ||
छप - छप - छप - छप पानी बोले |
नैया चलती हौले - हौले ||
नाव मेरी जब डगमग डोले |
मनवा मेरा धक् - धक् बोले ||
नदिया ले गई इसे बहाए |
पानी में रख हम पछताए ||

7. बचपन

बचपन के हैं मीठे गीत,
बचपन के हैं अनमोल गीत |
बचपन तो है रंग - बिरंगा,
जैसे भारत का ये तिरंगा |
बचपन की शान निराली,
इस पर हो जाऊँ कुर्बान ||

8. सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो,
भौंरों से नित गाना |
तरु की झुकी डालियों से नित,
सीखो शीश झुकाना ||
सूरज की किरणों से सीखो,

जगना और जगाना |
लता और पेड़ों से सीखो,
सबको गले लगाना ||

9. मेरी पेंसिल

रंग - बिरंगी मेरी पेंसिल,
लाल, नीली, पीली, पेंसिल |
लिखने में यह सबसे आगे,
कॉपी पर यह जल्दी भागे |
अच्छे - अच्छे अक्षर बनाऊँ,
पढ़ - लिखकर आगे बढ़ जाऊँ |

10. पौष्टिक आहार

पिंकी, बबली और उमंग,
भोजन करते देखो संग,
पिंकी खाती गाजर आलू,
बबली खाती चावल दाल,
पालक-पनीर उमंग को भायी,
तीनों ने मिल खीर भी खायी,
पौष्टिक आहार तुम भी खाओ,
अच्छी सेहत तुम भी पाओ।

11. अफ़सर

अम्मा मुझको बस्ता ले दो,
महँगा नहीं तुम सस्ता ले दो।
उसमें रख दो चार किताबें,
मास्टर जी जो हमें पढ़ावें॥
कोट-पैंट मुझको सिलवा दो,
काले जूते टाई मंगा दो।
बस में बैठ स्कूल को जाऊँ,
पढ़ूँ, लिखूँ अफ़सर बन जाऊँ॥

12. होली आई

होली आई, होली आई,
मौसम रंग-बिरंगा लाई।
रंग, गुलाल और पिचकारी,
बच्चे लाए प्यारी प्यारी॥
गली-गली होलिका जले,
बिछड़े साथी गले मिले।

अच्छाई से मिटे बुराई,
होली आई, होली आई॥

13. सावन

देखो-देखो बादल छाए।
रिमझिम करते जल बरसाएँ॥
मोर नाचता, पंछी गाते।
हँसते बच्चे, दौड़ लगाते॥
डालों पर हैं झूले डाले।
आओ नाचें, झूमें गा लें॥
देखो सावन आया है।
प्यारा मौसम लाया है॥

14. टिक-टिक-टिक

घड़ी है करती टिक-टिक-टिक।
गाड़ी चलती चिक-चिक-चिक॥
घंटी बजे टुन-टुन-टुन।
गुड़िया नाचे छुन-छुन-छुन॥
घोड़ा भागे टप-टप-टप।
पानी बरसे छप-छप-छप॥
चिड़िया करती चूँ-चूँ-चूँ।
मुन्नी रोती ऊँ-ऊँ-ऊँ॥

15. स्कूल

आओ स्कूल चले हम।
ज्ञान का भण्डार भरे हम॥
टीचर हमें खूब पढ़ाना।
विद्या-बुद्धि खूब बढ़ाना॥
बड़े प्यार से हमें सिखाना।
रोज़ पढ़ना, रोज़ लिखना।
पढ़-लिखकर बड़ा बनाना॥